

Career Cross Roads 'Job Study and Research'

(July 18, 2020)

The screenshot shows a Zoom meeting interface. At the top, there are video thumbnails for participants and the names 'drgkm' and 'Sampath Kumar S'. The main content area is titled 'Speakers for the DAY' and features three speaker cards:

- Mr. Naveen Puttaiah** (Job): Accompanied by a quote: "You have to dream before your dreams can come true." - A. J. Mendel
- Dr. Pankaj Gupta** (Study): Accompanied by a quote: "ALL OF US DO NOT HAVE EQUAL TALENT. YET, ALL OF US HAVE AN EQUAL OPPORTUNITY TO DEVELOP OUR TALENTS." - Robert Frost
- Dr. Sampath Kumar S.** (Research): Accompanied by a quote: "Dreams is not what you see in sleep is the thing which doesn't let you sleep." - A. J. Mendel

On the right side, there is a 'Participants (52)' list with names like 'Raby Maki', 'Shweta ragut', 'Chiranj', 'DEBARAJA BISWAS', 'Ovepal Goyal', 'dhaneshwarani', and 'Pranav Shank'. Below the list is a 'Chat' window with messages such as "Hi after long time...I'm happy", "From Pts Man to Everyone: Good morning everyone!", "From Pithing to Everyone: Good morning All", "From dramesthawan to Everyone: Hello guys Turn your video on to see you", and "From Me to Everyone: nice to see you all".

Career cross-roads webinar: The department organized a national webinar on carrier guidance: Job, Study and Research on 18 July 2020. More than 160 students across the country have participated and interacted with the panelists.

डॉ. भीम राव अंबेडकर सेंटर फॉर मार्जिनलाईज्ड सोसाइटीज

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

तथा

आई. क्यू. ए. सी.

(म. गं. सिं. वि., बीकानेर)

के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित

राष्ट्रीय वेबिनार

'महात्मा ज्योतिबा फुले का समाज सुधार में योगदान'

(शुक्रवार, 26 फरवरी 2021, प्रातः 11:00 बजे से)

में आप सादर आमंत्रित हैं

संरक्षक



कुलपति
म. गं. सिं. वि.
बीकानेर

बीज वक्ता



प्रो. विनोद चंद्रा
माननीय सदस्य,
प्रबंध मंडल
म. गं. सिं. वि.
बीकानेर

मुख्य वक्ता



डॉ. बी. एल. सैनी
निदेशक
राजस्थान
हिंदी ग्रंथ अकादमी
जयपुर

निदेशक

आई. क्यू. ए. सी.



प्रो. एस. के. अग्रवाल
अंग्रेजी विभाग
म. गं. सिं. वि.
बीकानेर

वेबिनार सचिव



डॉ. अंबिका ढाका
इतिहास विभाग
म. गं. सिं. वि.
बीकानेर

वेबिनार संयोजक



डॉ. गौतम कुमार मेघवंशी
निदेशक
डॉ. भीम राव अंबेडकर
सेंटर फॉर मार्जिनलाईज्ड सोसाइटीज
म. गं. सिं. वि. बीकानेर

Registration Link: <https://forms.gle/ygPwYMQVoTEpf9VB9>

Google Meet Link: <https://meet.google.com/awn-ehzj-jjn>

**Department of Microbiology
&
Internal Quality Assurance Cell
Maharaja Ganga Singh University
NH-15, Jaisalmer Road, Bikaner-334004**



**Invites you to
National Webinar
on**

“Impact of NEP-2020 on Life Sciences”



Prof. A.K. Gehlot
Advisor to Governor of Rajasthan
EX-VC, RAJUVAS, Bikaner
Key Note Speaker



Prof. Vinod Kumar Singh
Vice Chancellor
MGS University, Bikaner
Patron & Chairman



Prof. Arvind Deshmukh
President, Microbiologist
Society, India
Plenary Speaker



Prof. Suresh Kumar Agrawal
Director, IQAC
Director of Webinar



Prof. Anil Kumar Chhangani
Head, Deptt. of Microbiology
Convener



**Dr. Gautam Kumar
Meghwanshi**
Coordinator



Dr. Dharmesh Harwani
Coordinator



Dr. Abhishek Vashishtha
Organizing Secretary

Time : 10-30AM

Date: 25-02-2021

Link for Registration: <https://forms.gle/vka6kC8NdncQkprv6>

Join us on Google meet at : meet.google.com/pzy-knzv-mfx

Department of English

in collaboration with

IQAC

Maharaja Ganga Singh University, Bikaner

Organizes an

Online Conference

On

NEP-2020 and the Future of English Studies in India

18-19 February, 2021

Patron

Prof. Vinod Kumar Singh

Vice Chancellor, MGS University, Bikaner

Key-Note Speaker

Prof. Kapil Kapoor

Chairman, IAS Shimla

Our Plenary Speakers

- **Prof. S. D. Sharma**
- **Prof. S. P. Shukla**
- **Prof. Sanjeev Kumar**
- **Prof. Saryug Yadav**
- **Prof. Anu Shukla**
- **Dr. Krishna Rathore Tomar**
- **Prof. Kalpana Purohit**
- **Dr. Manoj Kumar**
- **Prof. H. D. Charan**
- **Prof. N. K. Pandey**
- **Prof. Nivedita Maitra**
- **Prof. S. K. Sharma**
- **Prof. Umed Singh**
- **Dr. N. S. Bissa**
- **Dr. Divya Joshi**

Director, IQAC

Prof. S. K. Agrawal

Seminar Director

Mode : Google Meet

Please register on the following link

<https://forms.gle/fh89UjUwvUZ3WEjT8>

एमजीएसयू : ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस 18-19 फरवरी

15 फरवरी 2021 बीकानेर, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग एवम् आई.क्यू.ए.सी. के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवम् भारत में अंग्रेजी पाठ्यक्रम का भविष्य' विषयक दो दिवसीय ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस का आयोजन 18-19 फरवरी को किया जायेगा। इस विषय में जानकारी देते हुए अंग्रेजी विभागाध्यक्ष एवम् आई.क्यू.ए.सी. निदेशक प्रो0 एस.के. अग्रवाल

ने बताया कि यद्यपि कॉन्फ्रेंस का विषय तथापि भारतीय शैक्षिक परिदृश्य में रूचि विदेशी विद्वान एवम् अन्य विषयों के कॉन्फ्रेंस में भागीदारी करेंगे। कॉन्फ्रेंस व सचिव (शैक्षणिक) डॉ. प्रगति सोबती कॉन्फ्रेंस में लगभग 200 विद्वान भागी कार्यक्रम में बीज वक्ता के रूप में अंग्रेजी विद्वान डॉ. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्टडीज के अध्यक्ष प्रो. कपिल कपूर होंगे।

नवीन शिक्षा नीति में अंग्रेजी अध्यापन का महत्व

गंगापूर (हुस्मनामा समाचार)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में अंग्रेजी अध्ययन के वित्तोपन का प्रावधान नहीं है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृ भाषा उन्नयन का प्रावधान है यह सार्वभौमिक सत्य है कि अगर बालक को प्रारम्भिक शिक्षा मातृभाषा में प्रदान की जाती है तो वह सुगमतापूर्वक तथ्यों को सोख पाता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भारत में अंग्रेजी अध्ययन अध्यापन के महत्व को और बढ़ा दिया है। उपर्युक्त विचार महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा आई.क्यू.ए.सी. के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवम् भारत में अंग्रेजी अध्ययन का भविष्य विषयक ऑनलाइन कांफेंस में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांन्ड स्टडीज के अध्यक्ष प्रो. कपिल कपूर ने मुख्यवक्ता के रूप में बोलते हुए व्यक्त किये। राजस्थान विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के प्रो. एन.के. पांडे ने कहा कि यद्यपि पढ़ाई के माध्यम के

ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि नीति विभागा फौमूला में आमूल न्यु की परिचायक है।

चौधरी देवीलाल विश्वविद् अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो० अञ्जू २ नारायण व्यास विश्वविद्यालय ३ विभागाध्यक्ष प्रो० कल्पना पुरी महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्य डॉ० ४ ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि नीति अंग्रेजी को मात्र अंग्रेजी साहित्य तक सीमित नहीं रखकर इसे भारत की भाषा में परिणित करने का प्रय

उद्घाटन सत्र 'की अभ्यक्षता महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय प्रो० वी.के. सिंह ने कहा कि नवीन अंग्रेजी के शिक्षण में आमूल न्यूल १ गोपणा पत्र है; अंग्रेजी अब अंग्रेजी- नहीं अपितु भारतीयता के लिये चाहिये इस की घोपणा नवीन १ करती प्रतीत होती है।

रूप में मातृभाषा का चुनाव सकारात्मक परिणाम देते हैं तथापि वर्तमान परिदृष्य में शिक्षा में प्रवीणता लाने के लिए अंग्रेजी की भी उतनी ही उपादेयता है व नवीन शिक्षा नीति इसी बात को इंगित करती है। ऑनलाइन कांफेंस के प्रथम सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व आचार्य प्रो० एस.पी. शुक्ला ने कहा कि नई शिक्षा नीति में अंग्रेजी को वह स्थान दिया गया है जो स्वातंत्र्योत्तर भारत के विगत 70 वर्षों में भी इसे नहीं मिल पाया। हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, महेन्द्रगढ़ के प्रो० संजीव कुमार एवम् नवीन शिक्षा नीति की प्रारूप समिति के सदस्य ने इस बात पर जोर दिया कि तथाकथित अंग्रेजी समर्थकों द्वारा यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि नवीन शिक्षा नीति ने अंग्रेजी को दरकिनार कर दिया है जबकि वास्तविकता यह है कि अंग्रेजी को नवीन शिक्षा नीति में एक व्यावहारिक भाषा के रूप में और अधिक महत्व मिला है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, अजमेर के प्रो. सरयुग यादव

अंग्रेजी अंग्रेजीयत के लिए नहीं अपितु भारतीयता के लिए पढ़ाई जानी चाहिए: प्रो. वीके सिंह



न्यूज सर्विस/नवज्योति, बीकानेर। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति प्रो. वी. के. सिंह ने कहा कि अंग्रेजी अब अंग्रेजीयत के लिये नहीं अपितु भारतीयता के लिये पढ़ाई जानी चाहिये। कुलपति प्रो. सिंह गुरुवार को महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा अर्द्ध-सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं भारत में अंग्रेजी अध्ययन का भविष्य विषयक ऑनलाइन कार्यक्रम के शुभारंभ समारोह को अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नवीन शिक्षा नीति अंग्रेजी अब अंग्रेजीयत के लिये नहीं अपितु भारतीयता के लिये पढ़ाई जाने को धोपना करनी प्रतीत होती है। प्रो. सिंह ने कहा कि नवीन शिक्षा नीति अंग्रेजी के शिक्षण में आसूल वृत्त परिवर्तन का धोपना पत्र है। समारोह में इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ एडुकेशनल स्टडीज के अध्यक्ष प्रो. कांफन जयपुर ने मुख्य वक्ता के रूप में अपनी बात रखते हुए बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में अंग्रेजी अध्ययन के विस्तार का प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृ भाषा उन्नयन का प्रावधान है यह सार्वभौमिक मूल्य है कि अगर बालक को प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में प्रदान की जाती है तो यह गुणवत्तापूर्ण तर्कों को सीख पाता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भारत में अंग्रेजी अध्ययन अध्ययन के महत्व को और बढ़ा दिया है। दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा अर्द्ध-सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है। कार्यक्रम में राजस्थान विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के प्रो. राज के. पांडे ने कहा कि वर्यी पढ़ाई के माध्यम के रूप में मातृभाषा का भुगतान सकारात्मक परिणाम देते है क्योंकि वर्तमान संस्कृत में शिक्षा में प्रवीणता लाने के लिए अंग्रेजी की भी जरुरी हो रही है। उन्होंने कहा कि नवीन शिक्षा नीति द्वारा भारत को द्विविध बनती है। इसी विश्वविद्यालय के पूर्व आचार्य प्रो. एस.पी. शर्मा ने कहा कि नई शिक्षा नीति में अंग्रेजी को यह स्थान दिया गया है जो स्वतन्त्र भारत के विगत 70 वर्षों में भी इसे नहीं मिला था। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के प्रो. संजय कुमार शर्मा ने कहा कि नवीन शिक्षा नीति को प्रारूप सर्वोत्तम के महत्व ने इस बात पर जोर देना कि नवीन शिक्षा नीति के अंग्रेजी समन्वयों द्वारा यह धम पैठना जा रहा है कि नवीन शिक्षा नीति ने अंग्रेजी को दर बिसार कर दिया है। उन्होंने कहा कि नवीन शिक्षा नीति में मातृ-व्यवस्थात्मक भाषा के रूप में और अधिक महत्व मिला है। राष्ट्रीय नीतिक अनुसार और प्रोत्साहन प्रदान, अंतर के जो संयुक्त प्रदान ने विचार व्यक्त करने का कहा कि नई शिक्षा नीति का प्रारूप परिवर्तन में आसूल वृत्त परिवर्तन की परिभाषक है। वेदना-व्यवस्था विश्वविद्यालय की अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. अशु शर्मा ने तत्वावधान द्वारा विश्वविद्यालय की अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. अरुणा गुप्ता, जयपुर महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय की पूर्व प्राचार्य डॉ. अरुणा शर्मा ने विचार व्यक्त करने हुए कहा कि नवीन शिक्षा नीति अंग्रेजी को मातृ अंग्रेजी मातृभाषा की भाषा तक सीमित नहीं रखकर इसे भारतीय व्यवस्था की भाषा में परिचित करने का प्रयास है। अंग्रेजीयत कार्यक्रम अर्द्ध-सम्मेलन के निर्देशक प्रो. राज के. शर्मा ने अंग्रेजीयत

खलिया
ले द्वारा
या जो
सामिक
व्य पर
सर्वोत्तम
है। व
न्य जो
सोड ने
। यदि
नेत्रित
कादमी
सर्वोत्तम
प्र सिंह,
। सलित

गोपाल
सर्वोत्तम



कानून
अनुभव
अनुभव

टर-
र





**दैनिक
भास्कर**

बीकानेर 19-02-2021

पत्र वनन म दस ह्य जात

कुलपति सिंह बोले-अंग्रेजीयत के लिए नहीं, भारतीयता के लिए पढ़ाई वाला सिस्टम बने

एमजीएसयू में नई शिक्षा नीति पर ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस

बीकानेर | नई शिक्षा नीति में अंग्रेजी को पीछे नहीं रखा गया है, बल्कि मातृ भाषा हिंदी को आगे बढ़ाने का प्रावधान किया गया है। ये सच है कि यदि बच्चे की प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में होती है, तो वह आसानी से तथ्यों को सीख पाता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने भारत में अंग्रेजी अध्ययन और अध्यापन के

महत्त्व को बढ़ा दिया है। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की ओर से आईक्यूएसो के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवॉन्ड स्टडीज के अध्यक्ष प्रो. कपिल कपूर ने ये बात कही।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए महाराजा गंगा सिंह विवि के कुलपति प्रो. वीके सिंह ने कहा, अंग्रेजीयत के लिए नहीं

बल्कि भारतीयता के लिए पढ़ाई वाला सिस्टम बने। राजस्थान विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग प्रो. एनके पांडे ने कहा कि पढ़ाई के माध्यम के रूप में मातृभाषा चुनाव स्कारात्मक परिणाम देते नई शिक्षा नीति इसी बात को ईंग्रेजी करती है। ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस पहले सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व आचार्य प्रो. एसपी शुक्ल हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय प्रो. संजीव कुमार ने विचार रखे।

। ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

नई शिक्षा नीति पर संगोष्ठी आज

बीकानेर | नई शिक्षा नीति और मातृ भाषा उन्नयन पर ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी शनिवार को होगी। एमजीएस विवि के कुलपति प्रो. वीके सिंह इसकी अध्यक्षता करेंगे। आयोजन सचिव डॉ. मेघना शर्मा ने बताया कि राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष गोपाल कृष्ण व्यास, केंद्रीय साहित्य अकादमी के राजस्थानी भाषा परामर्श मंडल के संयोजक मधु आचार्य, जयप्रकाश सेठिया, बाबा रामदेव शांघपीठ के निदेशक डॉ गजेसिंह राजपुरोहित, मरुदेश संस्थान, सुजानगढ़ के अध्यक्ष डॉ घनश्याम नाथ कच्छावा इसे संबोधित करेंगे।

अंग्रेजी को भारत के हिसाब से ढालना होगा : प्रो. शर्मा

बीकानेर | महाराजा गंगा सिंह विवि के अंग्रेजी विभाग की ओर से आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति विषय मंथन के दूसरे दिन हिमाचल प्रदेश के पूर्व कुलपति प्रो. एसडी शर्मा ने कहा कि अंग्रेजी को भारत के माहौल के हिसाब से ढालना होगा। समापन सत्र पर बतौर विशिष्ट अतिथि हरि सिंह गौर विवि सागर की प्रो.निवेदिता मैत्रे ने कहा कि नई शिक्षा नीति बहुभाषावाद को आगे बढ़ाती है। तकनीकी सत्र में प्रो.एस.के.शर्मा, प्रो.उम्मेदसिंह, डॉ.मनोज कुमार ने विचार व्यक्त किए। सेमिनार के निदेशक एवं अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष प्रो. एसके अग्रवाल ने कहा कि हमें स्कूल कल्चर और भाषा में बदलाव की जरूरत है।



International Vulture Awareness Day - 2020

International Symposium on " Present Scenario of Vulture Conservation in India "

Organised by Department of Environment Sciences,
Maharaja Ganga Singh University, Bikaner (Rajasthan) INDIA

in collaboration with Department of Geography, West Virginia University, USA



Chairman
Prof. Vinod Kumar Singh
Vice-Chancellor
Maharaja Ganga Singh University,
Bikaner



Prof. Anil Kumar Chhangani
Head, Department of Environment Sciences
Maharaja Ganga Singh University,
Bikaner

Venue : Shaunak Bhawan, MGS University, Bikaner

Date : 05 September, 2020

Time : 5:00 pm to 7:00 pm

: Convenor :

Prof. Anil Kumar Chhangani

: Co-Convenor :

Prof. Rajaram Choyal

: Organising Secretaries :

Dr. A.K. Dular

Dr. P.D. Charan

Dr. Leela Kaur



Dr. Jonathan Hill
Department of Geography
West Virginia University
Morgantown, West Virginia, USA



Dr. Neelam Chhangani
Department of Life Sciences
MGS University, Bikaner
Rajasthan



Dean Students' Welfare
MAHARAJA GANGA SINGH UNIVERSITY

NH-15, Jaisalmer Road, Bikaner-334004



Invites you to
National Webinar

on

Environment and Swami Vivekanand



Chief Guest
Prof. Arvind Pareek
Head, Dept. of Botany
MDS University, Ajmer



Patron & Chairman
Prof. Vinod Kumar Singh
Vice Chancellor
MGS University, Bikaner



Speaker
Prof. Anil Kumar Chhangani
Head, Dept. of Environment Sciences
MGS University, Bikaner

Tuesday 12 January 2021
12.00 Noon – 01.00 PM

Join us on Google meet at meet.google.com/nuv-vsnh-kdi

Registrar

Dr. Pragti Sobti
Associate, DSW

Dr. Abhishek Vashishtha
DSW

DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY, MGS UNIVERSITY, BIKANER

&

MICROBIOLOGISTS SOCIETY, INDIA

Jointly Organizes

International Webinar on

“Current Challenges and Future Prospects in Microbiology”



Prof. Vinod Kumar Singh
Vice Chancellor
MGS University, Bikaner
Patron

INVITED SPEAKERS



Prof. Arvind Deshmukh
President,
Microbiologists Society,
India



Prof. Ashish Bhatnagar
Head,
Deptt of Microbiology
MDS University,
Ajmer



Prof. Tanzima Yeasmin
Deptt. of Biochem. &
Mol. Biology,
University of Rajshahi,
Bangladesh



Prof. Monica Bhatnagar
Deptt. of Microbiology,
MDS University, Ajmer



Prof. Praveen Gehlot
Deptt. of Botany,
JNV University
Jodhpur



Dr. Sarvesh Soni
Research Scientist,
RMIT University,
Australia

ORGANIZING COMMITTEE



Prof. A. K. Chhangani
Head,
Department of Microbiology
MGS University, Bikaner
Chairman



Dr. Gautam Kumar Meghwanshi
Assistant Professor
Department of Microbiology
MGS University, Bikaner
Organizing Secretary



Dr. Dharmesh Harwani
Assistant Professor
Department of Microbiology
MGS University, Bikaner
Coordinator



Dr. Abhishek Vashishtha
Assistant Professor
Department of Microbiology
MGS University, Bikaner
Coordinator

Date: 15-6-2021 (Tuesday)

Time : 11.00AM

Registration Link : <https://forms.gle/KZ889XkSRvS5JPob8>

Link to join: <https://technicalteam2.webex.com/meet/drharwani>

Catch us live on YouTube : <https://youtube/SnGBuSUGpPI>

or go directly to MGSU Bikaner, Microbiology LIVE Channel

Prizes for winners of Poster Presentation

E certificates for all the Participants

Full length papers are invited for publication as Conference Proceedings

सूक्ष्म जीव विज्ञान मानव जाति के लिए वरदान – प्रो विनोद कुमार सिंह

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग तथा माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसाइटी , भारत के संयुक्त तत्वाधान में “माइक्रोबायोलॉजी में वर्तमान चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं ” विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया | इस वेबिनार में ऑस्ट्रेलिया, बंगलादेश, पाकिस्तान, नेपाल, अर्मेनिया, श्रीलंका सहित छह देशों के प्रतिनिधिओं ने भाग लिया | भारत के 23 राज्यों के 725 प्रतिभागियों ने इस वेबिनार में पंजीयन करवाया था | वेबिनार में अध्यक्षीय भाषण देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो विनोद कुमार सिंह ने कहा कि माइक्रोबायोलॉजी एक ऐसा विज्ञान है जो मानव और सभी जीवित प्राणियों के दैनिक जीवन को सीधे प्रभावित करता है और सूक्ष्मजीव पृथ्वी को रहने योग्य ग्रह बनाने के लिए जिम्मेदार है | उन्होंने कहा कि सूक्ष्म जीव हमारे लिए बहुत मायने रखते हैं क्योंकि वे हमारे जीवन के हर पहलू को प्रभावित करते हैं - वे हम में, हम पर और हमारे आसपास हर जगह हैं | वर्तमान कोविड महामारी की स्थिति में, विज्ञान का यह क्षेत्र मानव जाति के लिए वरदान साबित हुआ है |

इस अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में देश व विदेश से ख्यातिनाम शिक्षाविदों व वैज्ञानिकों ने बीज वक्ता के तौर पर व्याख्यान दिये जिनमें प्रमुख रूप से प्रो. अरविंद देशमुख , अध्यक्ष माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसाइटी, इंडिया, प्रो. तांजिमा यासमीन , राजशाही विश्वविद्यालय , बांग्लादेश, प्रो. आशीष भटनागर , विभागाध्यक्ष, सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय , अजमेर, प्रो. मोनिका भटनागर , महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर, डॉ. सर्वेश सोनी, सीनियर साइंटिस्ट एंड फाउंडर डायरेक्टर, आर.एम.आई.टी. टेक्नालजी एंड एंटर्प्राइजरीशिप नेटवर्क एंड क्लब, आर.एम.आई.टी विश्वविद्यालय, मेलबोर्न, ऑस्ट्रेलिया व प्रो. प्रवीण गहलोत, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर थे। प्रो. अरविंद देशमुख ने ई-वेस्ट के निस्तारण में सूक्ष्मजीवों के योगदान पर प्रकाश डाला तथा कहा कि भविष्य में सूक्ष्मजीवों प्रदूषण को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे | प्रो. आशीष भटनागर ने मानव गतिविधियों के कारण उत्पन्न पारिस्थिकी असंतुलन को सूक्ष्मजीवों के कारण आने वाली आपदाओं के लिए प्रमुख रूप से जिम्मेदार बताया | बांग्लादेश की प्रो. तांजिमा यासमीन ने कोरोना वाइरस व इसके कारण उत्पन्न वैश्विक परिस्थितियों तथा चुनौतियां पर प्रकाश डाला गया | प्रो. मोनिका भटनागर ने थार रेगिस्तान में पाए जाने वाले सूक्ष्म शैवाल व अन्य सूक्ष्मजीवों के कृषि , चिकित्सा, बायो फ्यूल, जैव उपचार आदि में उपयोगिता तथा अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला | डॉ. सर्वेश सोनी ने बताया कि वे माइक्रोबियल टेक्नोलॉजी तथा नैनोटेक्नोलॉजी के अनुप्रयोग से पानी के शुद्धिकरण के विषय में कार्य कर रहे हैं | इस कार्य को ऑस्ट्रेलिया के सरकार ने अति महत्वपूर्ण मानते हुए कई करोड़ डॉलर का अनुदान दिया है | प्रो. प्रवीण गहलोत ने रोगकारक कवको के उपचार में खेजड़ी से प्राप्त प्रोटीन के उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी |

वेबिनार के आरंभ में विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार छंगानी ने सभी वक्ताओं तथा प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए जीव मात्र तथा पर्यावरण में सूक्ष्मजीवों के महत्व को प्रतिपादित किया | विभाग के डॉ. गौतम कुमार मेघवंशी ने वेबिनार के उद्देश्यों तथा महत्व पर प्रकाश डाला | इस वेबिनार के दौरान प्रतिभागियों ने ई - पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया | विज्ञान संकाय के डीन प्रो. राजाराम चोयल तथा प्रो. प्रवीण गहलोत ने पोस्टर प्रतियोगिता में निर्णायकों की भूमिका का निर्वहन किया | प्रतियोगिता में आनंद कृषि

विश्वविद्यालय, गुजरात के सुब्रत हती ने प्रथम, म.ग.सि. विश्वविद्यालय के एजाज अहमद द्वितीय तथा नार्थ ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय मेघालय के सुजीत दास तृतीय स्थान प्राप्त किया | कार्यक्रम का संचालन डॉ. धर्मेश हरवानी ने किया | कार्यक्रम के अंत में वेबिनार के आयोजन समन्वयक डॉ अभिषेक वशिष्ठ ने वक्ताओं तथा प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया |

Meet - vom-terq-gbf

meet.google.com/vom-terq-gbf

REC Prof.R.C. Dubey is presenting

Evolution of Microorganisms

14 The Big Bang

10 The first galaxies

Years ago (billions)

4.6 Origin of the solar system

4.0 Evolution of macromolecules

3.5 The first cells

RNA less stable than DNA because it is more susceptible to hydrolysis

Gilbert W (1986). Origin of life: the RNA world. *Nature*.

10:48 AM | vom-terq-gbf

People

- Mute all
- Add people
- Host controls
- PRITI
- PRIYANKA DHUKIA
- Prof.R.C. Dubey
- Prof.R.C. Dubey Presentation
- Prvender Kamboj
- Puja Biswas
- RAHUL JAIN

28°C Haze 10:48 AM INTL 9/17/2021

Meet - vom-terq-gbf

meet.google.com/vom-terq-gbf

REC Prof.R.C. Dubey is presenting

Tuberculosis above Neck

अक्षीभ्यां ते नासिकाभ्यां कर्णाभ्यां च्छुबुकादधि।
यस्मिं शीर्षण्यं मस्तिष्काज्जिह्वाया वि वृहामि ते॥
(अथर्ववेद 2.33.1)

Out of your (*te*) two eyes (*akṣibhyān*), nostrils (*nāsikābhyān*), ears (*kaṇābhyān*) and out of your (*te*) chins (*chubukāta adhi*), brain (*mastiṣkāta*) and tongue (*jihvāyān*), I root out wasting disease (*vrihāmi*) seated in your head (*śirṣanyān*)

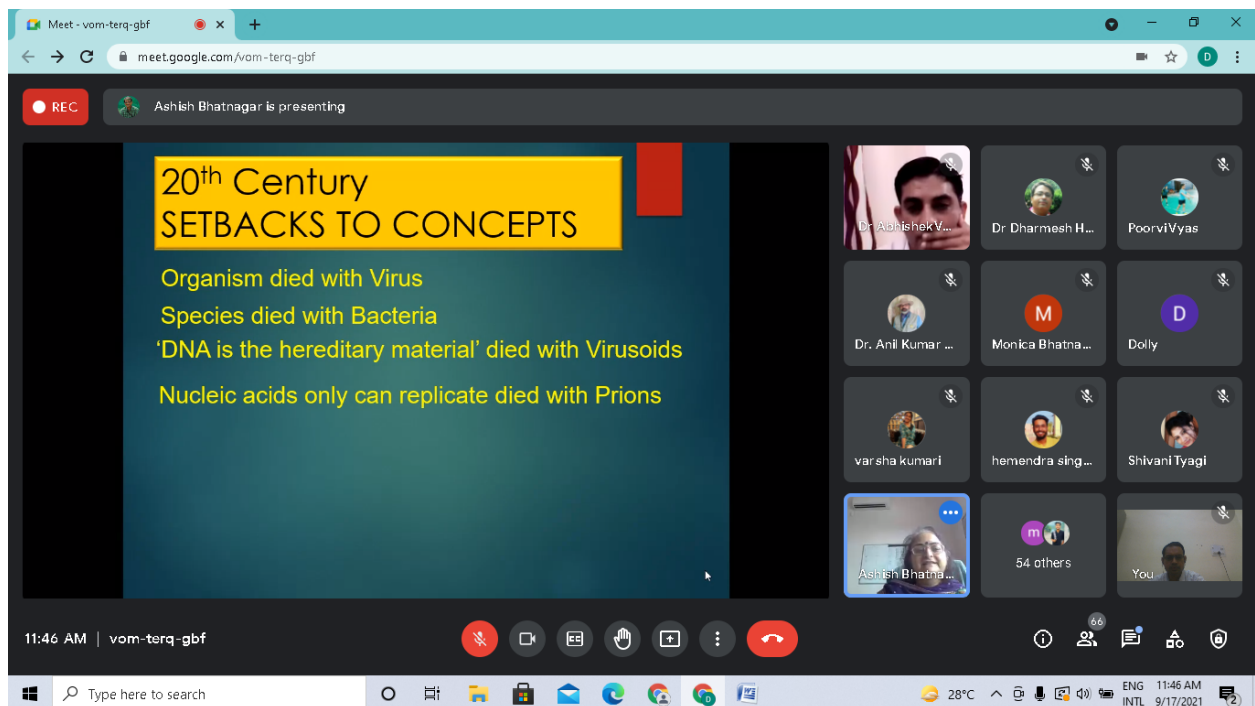
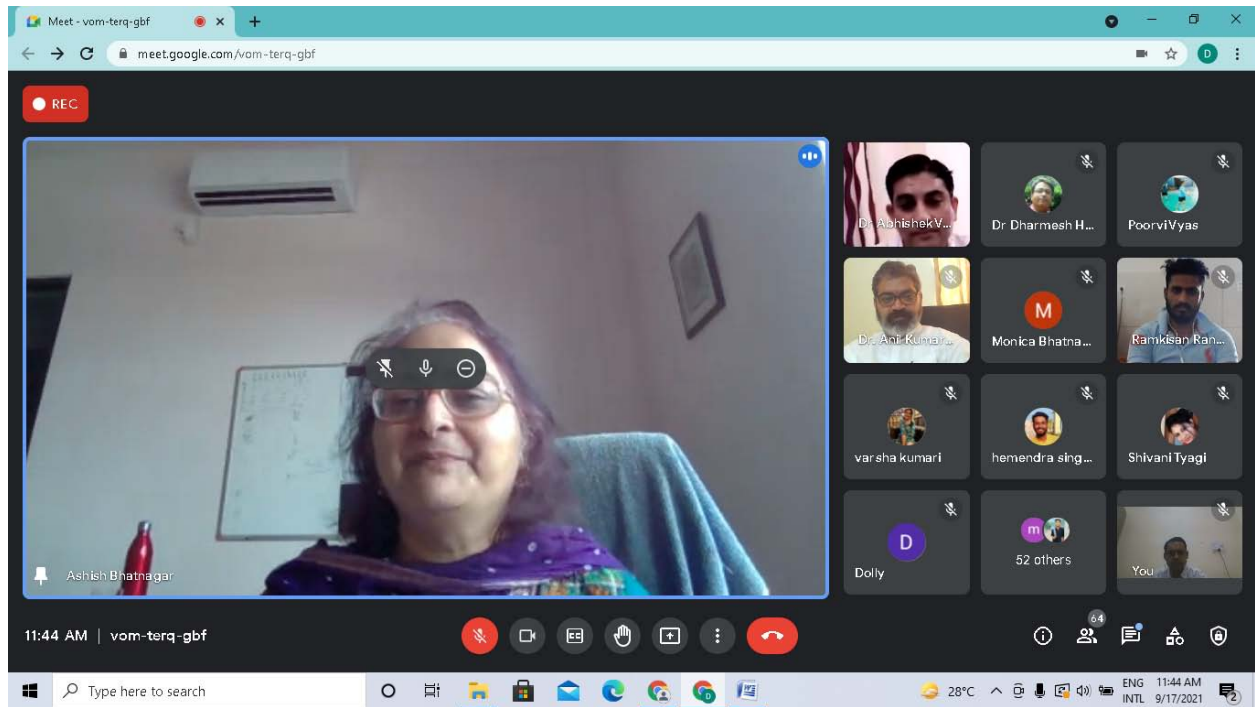
11:17 AM | vom-terq-gbf

People

- varsha kumari
- Prof.R.C. Dubey
- BIDISHA PAL
- Dr. Abhishek Va...
- Dr. Anil Kumar ...
- Dr Dharmesh H...
- Ashima Alam
- hemendra sing...
- Prvender Kam...
- Shivani Tyagi
- 75 others
- You

28°C Haze 11:17 AM INTL 9/17/2021

Prof. R.C. Dubey (Gurukul Kangri University, Haridwar) Delivering Lecture on “Promises and Challenges with Microorganisms” on the occasion of International Microorganism day (17.09.2021)



Prof. Monica Bhatnagar (M.D.S, University, Ajmer) Delivering Lecture on “20th Century Setbacks to Concepts” on the occasion of International Microorganism day (17.09.2021)

Meet - vom-terq-gbf

meet.google.com/vom-terq-gbf

REC Ashish Bhatnagar is presenting

Life's creative genius

- ▶ If N stands for types of unit molecules and C for the numbers in a combination then total possible combinations will be N^C
- ▶ 4 nucleotides, sequences of 3 then $4^3 = 64$ combinations
- ▶ DNA, $k = 4$ (four types of nucleotides), and $N = 1$ million, so 4^{10^6} (about $10^{600,000}$, or 1 followed by 600,000 zeros) structures are possible
- ▶ Two amino acids may yield $20^2 = 400$ combinations
- ▶ proteins consist of 20 different types of amino acids and are about 100 units long. Therefore, 20^{100} (about 10^{130} , or 1 followed by 130 zeros) possible polymeric configurations exist
- ▶ In polymers, usually 2-3 sugars with straight/branched patterns
- ▶ Lipids are far more complex. For example, glycerol may have three alcohol or acid moieties

Ashima Alam has left the meeting

11:54 AM | vom-terq-gbf

Participants: Dr. Abhishek Va..., Dr. Dharmesh H..., Poorvi Vyas, Dr. Anil Kumar ..., Monica Bhatna..., Neha 3422, var sha kumari, hemendra sing..., Shivani Tyagi, Ashish Bhatnag..., 45 others, You

Meet - vom-terq-gbf

meet.google.com/vom-terq-gbf

REC Ashish Bhatnagar is presenting

Life's creative genius

- ▶ If N stands for types of unit molecules and C for the numbers in a combination then total possible combinations will be N^C
- ▶ 4 nucleotides, sequences of 3 then $4^3 = 64$ combinations
- ▶ DNA, $k = 4$ (four types of nucleotides), and $N = 1$ million, so 4^{10^6} (about $10^{600,000}$, or 1 followed by 600,000 zeros) structures are possible
- ▶ Two amino acids may yield $20^2 = 400$ combinations
- ▶ proteins consist of 20 different types of amino acids and are about 100 units long. Therefore, 20^{100} (about 10^{130} , or 1 followed by 130 zeros) possible polymeric configurations exist
- ▶ In polymers, usually 2-3 sugars with straight/branched patterns
- ▶ Lipids are far more complex. For example, glycerol may have three alcohol or acid moieties

11:54 AM | vom-terq-gbf

Participants: Dr. Abhishek V..., Dr. Dharmesh H..., Poorvi Vyas, Dr. Anil Kumar ..., Monica Bhatna..., Dolly, var sha kumari, hemendra sing..., Shivani Tyagi, Ashish Bhatna..., 45 others, You

Around 60 participants from different Universities & Colleges across the Nation attendant the programme on the occasion of International Microorganism day (17.09.2021)



Sh. Kalraj Mishra
Governor, Rajasthan

Dean Students' Welfare & Department of Microbiology



Sh. Ashok Gehlot
Chief Minister, Rajasthan

MAHARAJA GANGA SINGH UNIVERSITY, BIKANER

Invites you
to

COVID-19 A Panel Discussion



Prof. Vinod Kumar Singh
Vice Chancellor
MGS University, Bikaner
Patron & Chairman



Prof. Ritu Mathur
Department of Food & Nutrition
MDS University, Ajmer
Expert Nutritionist



Dr. Vandana Garg
NFSG(CMO)
ESIC Model Hospital, Jaipur
Allopathic Specialist



Prof. Govind S Shukl
Principal, University
College of Ayurveda, Ayurveda
University, Jodhpur
Ayurveda Specialist



Prof. Anil K. Chhangani
Head, Dept. of Microbiology
Convener



Dr. Abhishek Vashishtha
Dean Students' Welfare
Organizing Secretary



Dr. Pragti Sobti
Associate Dean Students' Welfare
Coordinator

Date: 13-5-2021 (Thursday)
Time : 11.00AM

Join us on Google meet at : meet.google.com/sde-hpjd-aks

Catch us live on

1. Our Facebook page : <https://www.facebook.com/MGSUBKNR/>
2. Our YouTube channel: <https://youtube.com/c/mgsubikaner1/>



Prof. V.K. Singh
Vice Chancellor
Patron



Prof. S.K. Agrawal
Webinar Director
Director IQAC



Prof. A. K. Chhangani
Convener
Head of the Dept.



MAHARAJA GANGA SINGH UNIVERISTY, BIKANER

Department of Computer Science
Jointly with
Centre for Entrepreneur & Skill Development (CESD)
&
Internal Quality Assurance Cell (IQAC)
Cordially invites you to the

National Webinar on Virtual Meetings: Methods, Issues, and Challenges

On

Saturday, 27 February, 2021 at 11:00 AM



Prof. Vishal Goyal
Keynote Speaker
Punjabi University, Patiala, Punjab



Dr. Vishal Goar
Plenary Speaker
Engineering College, Bikaner, Rajasthan



Registration QR

Please use the following Link for Registration:

<https://forms.gle/sors8u8N6ZS7eiAz6>

or scan QR Code using QR Scanner

Google Meet Link:

<https://meet.google.com/mpv-qwdb-xvo>

No Registration FEE. All Participants will get e-certificate



Meeting QR



Dr. Dharmesh Harwani
Director CESD



Dr. Jyoti Lakhani
Co-Coordinator (DCS)



Fauja Singh
Assistant Professor



Anuresh Kumar Singh
Assistant Professor (DCS)

Organizing Committee

Department of Environmental Science
Under the aegis of Internal Quality Assurance Cell (IQAC),
Maharaja Ganga Singh University Bikaner
(Rajasthan) 334004



Organizes

A NATIONAL WEBINAR ON

Application of GIS and Remote Sensing in Environmental Science

Date: 11th February, 2021

Time: 11:00 AM to 3:00PM

Online Platform: Google meet

Speakers



Dr. C. Sudhakar Reddy
Scientist SG & Head, Forest
Biodiversity and Ecology Division,
NRSC, ISRO
Hyderabad (India)



Dr. Kunal Kumar Das
Scientist (Retd.) IIRS, ISRO
Dehradun (India)



Prof. Anil Kumar Chhangani
Head, Department of
Environmental Science, MGS
University, Bikaner (India)

Programme Details:

Welcome Address	Dr. P.D. Charan	11: 00 AM to 11:10AM
Introduction of Webinar	Prof. S.K. Agarwal	11:10 AM to 11:30 AM
Lecture of Key note Speaker	Dr. C. Sudhakar Reddy	11:30 AM to 12:30 PM
Lecture of Chief guest	Dr. K.K. Das	12:30 PM to 1:30 PM
Lecture of Head, Dept. of Environmental Science	Prof. Anil Kumar Chhangani	1:30 PM to 2:30 PM
Hon'ble Vice-Chancellor's speech	Prof. V.K. Singh	2:30 PM-2:45 PM
Vote of thanks and concluding remark	Dr. Anil Kumar Dular	2:45 PM to 3:00 PM

Organizing Committee

Patron :	Prof. Vinod Kumar Singh, Vice Chancellor, MGS University, Bikaner
Director :	Prof. Suresh Kumar Agarwal, Director of IQAC, MGS University, Bikaner
Convener :	Prof. A.K. Chhangani, Head, Department of Environmental Science, MGS University, Bikaner
Coordinators :	Prof. Rajaram Choyal, Dean, Faculty of Science, MGS University, Bikaner Dr. Anil Kumar Dular, Assistant Professor, MGS University, Bikaner
Organizing Secretary :	Dr. Prabhu Dan Charan, Assistant Professor, MGS University, Bikaner



**Cordially invites you to the
National Webinar
organized on the occasion of Mahatma Gandhi's
151st Birthday Celebration**

“कोरोना सर्वव्यापी महामारी : गाँधीवादी दृष्टिकोण”

02 October, 2020 at 1:00 PM onwards

organized by

**Centre for Gandhian Studies : Peace & Non-violence
Maharaja Ganga Singh University, Bikaner**

Our Source of Inspiration



Shri Kalraj Mishra
Hon'ble Governor
Rajasthan



Shri Ashok Gehlot
Hon'ble Chief Minister
Rajasthan

Dignitaries on the Programme

Chief Guest



Dr. B. D. Kalla
Minister for Energy & PHED
Govt. of Rajasthan

Chairperson



Prof. V. K. Singh
Vice Chancellor
MGS University, Bikaner

Special Guest



Shri Bhanwar Singh Bhati
Minister for Higher Education
Govt. of Rajasthan

Keynote Speakers



Prof. Nand Kishore Acharya
Writer, Critic and
Eminent Gandhian Thinker



Prof. Satish Kumar
National Coordinator
Rajiv Gandhi Study Circle



Prof. Vinod Chandra
President,
Indian Asso. of Life Skills Education